

काई का गुरुजी तंबूरा बनाया देसी भजन लिरिक्स



काई का गुरुजी तंबूरा बनाया,
तंबूरा बनाया,
काई का बनाया मंजीरा,
ओ साधा जी,
हिल मिल रहना भाया,
हस मुख रहना भाया,
के गाया गम वाली वाणी,
ओ साधा जी **lbdI**

काया रे गढ़ रा तंबूरा बनाया,
तंबूरा बनाया,
सत रे धरम रा मंजीरा,
ओ साधा जी,
हिल मिल रहना भाया,
हस मुख रहना भाया,
के गाया गम वाली वाणी,
ओ साधा जी **lbdI**

काई का गुरु जी तार चढ़ाया,
तार चढ़ाया,
काई का रूपाया गाडा मोरना,
ओ साधा जी,
हिल मिल रहना भाया,
हस मुख रहना भाया,
के गाया गम वाली वाणी,
ओ साधा जी **lbdI**

पांच तत्व रा तार चढ़ाया,
तार चढ़ाया,
मन का रूपाया गाडा मोरना,
ओ साधा जी,
हिल मिल रहना भाया,
हस मुख रहना भाया,
के गाया गम वाली वाणी,
ओ साधा जी **lbdI**



टूटोडी नाव दाता समदा में राली,
समदा में राली,
कोन पुरुष वामे बैठे,
हिल मिल रहना भाया,
हस मुख रहना भाया,
के गाया गम वाली वाणी,
ओ साधा जी IbdI

सिल संतोक ने बेठन वाला,
बैठन वाला,
अलख पुरुष वाने हाके,
ओ साधा जी,
हिल मिल रहना भाया,
हस मुख रहना भाया,
के गाया गम वाली वाणी,
ओ साधा जी IbdI

गादी ओ बैठ जति गोरख बोल्या,
गोरख बोल्या,
के गया उगम वाली वाणी,
ओ साधा जी,
हिल मिल रहना भाया,
हस मुख रहना भाया,
के गाया गम वाली वाणी,
ओ साधा जी IbdI

काई का गुरुजी तंबूरा बनाया,
तंबूरा बनाया,
काई का बनाया मंजीरा,
ओ साधा जी,
हिल मिल रहना भाया,
हस मुख रहना भाया,
के गाया गम वाली वाणी,
ओ साधा जी IbdI

प्रेषक – सोहन लाल बुनकर।
8003131735